unit-1

Date
Page

समावेशी शिक्षा -

समावेशी शिक्षा वह शिक्षा है जिसमें एक सामान्य विद्यालय में बाधित तथा सामान्य बालक दोनो को एक साथ शिक्षा दी जाती है। शारीरिक रूप से विकलांग बालक को पहचानना बहुत आसान होता है जबकि मानसिक रूप से बाधित बालकों को पहचानना कठिन होता है। शारीरिक व मानसिक रूप से बाधित बच्चे सामान्य बच्चो की अपेक्षा धीरे सीखते है।

समावेशी शिक्षा शारीरिक एवं मानसिक रूप से पूर्णतः या आंशिक बाधित बच्चो को सामान्य बालको के साथ शिक्षा ग्रहण पर जोर देती है तथा विशिष्ट बालको की शिक्षा हेतु अनुमोदन करती है।

मार्कल एवं फिनमोस के अनुसार - "समावेशी शिक्षा मूल्यो, सिद्धान्तो तथा अभ्यासो का एक समूह है जो सभी बालको के लिए, चाहे वह विशिष्टता रखते हो या नही रखते हो प्रभावशाली तथा अर्थपूर्ण शिक्षा की खोज करता है।"

स्टीफन तथा ब्लेकहर्ट के अनुसार - "शिक्षा की मुख्य धारा का अर्थ बाधित बालको की सामान्य कक्षाओ में शिक्षण व्यवस्था करना यह समान अवसर मनोवैज्ञानिक सोच पर आधारित है जो व्यक्तिगत योजना के द्वारा उपयुक्त सामाजिक मानकीयकरण और अधिगम को बढ़ावा देती है"

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में निम्नलिखित तथ्य प्राप्त होते हैं।

* समावेशी शिक्षा बाधित बालकों का विद्यालय के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से सर्वांगीण विकास करता है।
* समावेशी शिक्षा के माध्यम से विशिष्ट बालक तथा सामान्य बालक एक-दूसरे के निकट आते हैं तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना का विकास होता है।
* प्रतिभाशाली बालक और सामान्य बालकों को साथ-साथ पढ़ने का अवसर प्राप्त होता है।
* समावेशी शिक्षा के माध्यम से बालक अपनी आयु के अन्य बालकों के साथ बिना किसी भेद भाव के शिक्षा ग्रहण करता है।
* समावेशी शिक्षा जीवन जीने की कला तथा वास्तविक परिस्थितियों में समायोजन करना सिखाती है।

समावेशी शिक्षा के सिद्धांत-

समावेशी शिक्षा के निम्न लिखित सिद्धांत हैं।

A व्यक्तिगत रूप में भिन्नता -

इसमें व्यक्तिगत भिन्नताओं के ~~अनुसार~~ अनुसार छात्रों को समावेशी शिक्षा प्रदान की जाती है।

B- वातावरण निर्माण पूर्ण होना -

समावेशी शिक्षा में हर तरह के बालक एक ही कक्षा में शिक्षा ग्रहण करते हैं जिसके कारण उस कक्षा में विभिन्न तरह के वातावरण उत्पन्न होता है वातावरण

को एक ही वातावरण में डालने का काम समावेशी शिक्षा करता है।

C- विशिष्ट कार्यक्रमों द्वारा शिक्षा -

समावेशी शिक्षा विशिष्ट कार्यक्रमों द्वारा बालकों को शिक्षा प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है। बालकों विशिष्ट कार्यक्रमों में भाग लेकर या उन्हें देखकर उनके अंदर अधिगम की शक्ति को बढ़ाया जाता है। इस लिए समावेशी शिक्षा में विशिष्ट कार्यक्रमों द्वारा शिक्षा प्रदान की जाती है।

D भेदभाव रहित शिक्षा -

समावेशी शिक्षा जहाँ बिना किसी भेदभाव के सामान्य तथा विशिष्ट बालकों का एक साथ शिक्षा दी जाती है जिससे उनके अंदर भेदभाव की भावना को मिटाया जाता है। समावेशी शिक्षा भेदभाव को दूर करने छुआछूत को दूर करने का एक सबसे अच्छा उदाहरण है।

E मातपिता द्वारा सहयोग प्रदान करना -

समावेशी शिक्षा में शिक्षकों के साथ-साथ बच्चों के माता पिता भी उनके शिक्षा में सहयोग करते है जिससे उनके अंदर अधिगम की शक्ति को और भी ज्यादा बढ़ाया जाता है और बच्चे अपने माता-पिता का सहयोग पाकर और अधिग अधिगम करते है।

F लघु समाज का निर्माण -

समावेशी शिक्षा में हर प्रकार के बालक एक ~~स्कूल~~ विद्यालय में एक ही साथ शिक्षा ग्रहण करते है जिससे उनमें एक लघु समाज का निर्माण होता है।

समावेशी शिक्षा का क्षेत्र -

समावेशी शिक्षा शारीरिक एवं मानसिक रूप से बाधित सभी बच्चों के लिए है यह ऐसे प्रत्येक बालक के लिए शिक्षा एवं सामान्य शिक्षक की बात करता है जो इससे लाभ प्राप्त करने के योग्य हैं अतः समावेशी शिक्षा का कार्य क्षेत्र ऐसे सभी बालकों के बीच अपनी पहुंच बनाना है एवं उन्हें अधिगम प्रदान कर सामान्य जीवन यापन हेतु अग्रसर करना है समावेशी शिक्षा के निम्न क्षेत्र हैं।

1- शारीरिक रूप से बाधित बालक
2- मानसिक रूप से बाधित बालक
3- सामाजिक रूप से बाधित / विचलित बालक
4- शैक्षिक रूप से बाधित बालक

17/06/2021

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया